प्रकाश 2

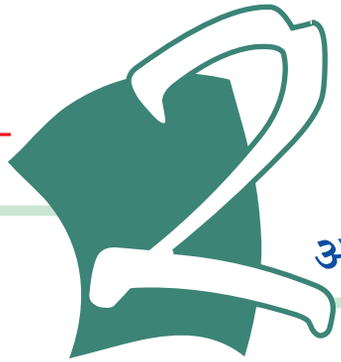

अपनी एक छोटी-सी फिल्म बनाएँ!

नयना: हा! हा! हा!

नयना अखबार में एक लेख पढ़ रही थी और जोर से हँस रही थी।

पलक: (नयना की बहन) क्या कोई चुटकुला है? मुझे भी सुनाओ।

नयना: इस लेख के अनुसार, 1890 के समय में जब फिल्में नई-नई ही थीं, तब थियेटर में पर्दे पर चलते-फिरते वाहनों और समुद्री लहरों को देखकर लोग चिल्लाते हुए भागने लगते थे।

पलक: उन्हें वह सब वास्तविक लगता था और वे समझ नहीं पाते थे कि आखिर यह क्या हो रहा है। आज हम जानते हैं कि फिल्में वास्तविक नहीं हैं। यह केवल चित्रों की एक श्रृंखला है जिसे तेजी से चलाया जाता है। फिल्म या कार्टून की फिल्म-स्ट्रीप में हर पिक्चर/चित्र पहले और बाद के चित्र से थोड़ा-सा अलग होता है। जब फिल्म को चलाया (Projected) जाता है तब सारे चित्र बहुत तेज गति से चलते हैं जिससे हमें उन चित्रों को अलग-अलग देखने का अवसर ही नहीं मिलता। यहाँ तक कि हमारी आँखें और मस्तिष्क प्रत्येक छवि पर एक पल के लिए स्थिर हो जाते हैं और सभी चित्रों को एक साथ जोड़कर देखते हैं जिससे चित्र तीव्रता से चलते हुए प्रतीत होते हैं। इस प्रभाव को 'दृष्टि जड़ता' (Persistence of vision) कहते हैं।

आओ, अपनी एक छोटी-सी फिल्म बनाएँ।

आवश्यक वस्तुएँ : एक कागज़ 20 cm × 8 cm

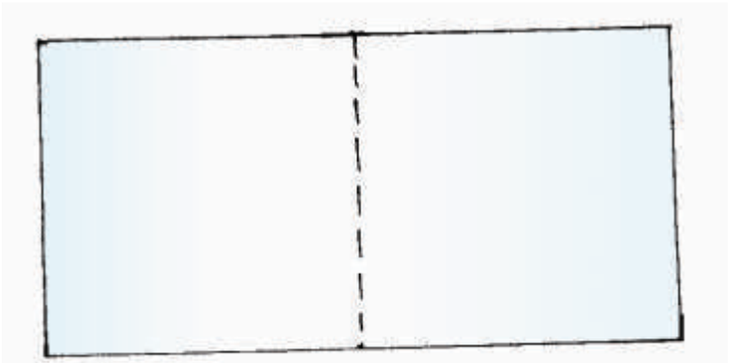

चित्र 1

चित्र 2

क्या करें

- कागज़ को इस प्रकार मोड़ें कि यह चार पन्नों की एक पुस्तिका लगे।
- इस पुस्तिका के बीच में एक कार्बन पेपर रखें।
- अब जैसाकि चित्र में दर्शाया गया है, कागज़ पर आँखें बनाइए लेकिन आँखों की पुतली मत बनाइए और एक हंसता हुआ मुख बनाइए।

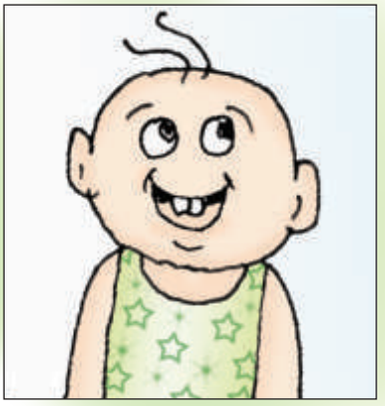

चित्र 3

- अब कार्बन पेपर को हटा लें।
- ऊपर वाले चित्र में दाईं ओर देखती हुई आँखों की पुतली बनाइए तथा नीचे वाले कागज़ पर कार्बन पेपर से छपे चित्र में बाईं ओर देखती हुई आँखों की पुतली बनाएं। (जैसाकि चित्र में दिखाया गया है।)

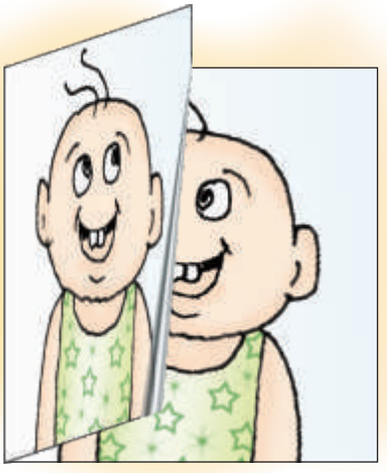

चित्र 4

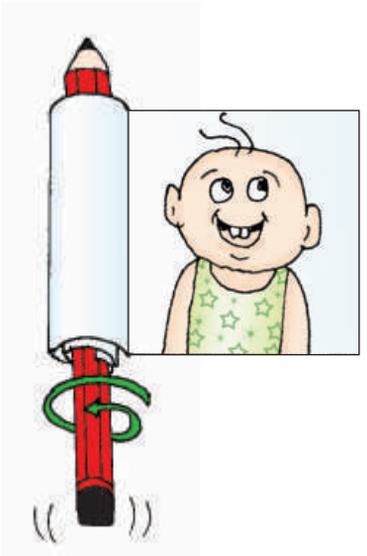

चित्र 5

- आप इस प्रकार की अन्य क्रियाओं के विषय में सोचें जिन्हें दो आसान से चित्रों से दर्शाया जा सके। इस क्रियाकलाप को करें और अपने दोस्तों के साथ अपनी छोटी-सी फिल्म को साझा करें तथा आनंद उठाएँ।

आओ, कुछ और चुनौतीपूर्ण करने का प्रयास करें।

अपनी 'फिल्म बुक' बनाओ।

आवश्यक सामान

एक छोटी नोटबुक, एक स्कैच पेन

क्या करें

सबसे पहले आप चित्रों की एक शृंखला के विषय में निर्णय लें। उदाहरण के लिए, एक उछलती हुई गेंद एक भागता हुआ घोड़ा या एक चलती हुई घड़ी। पुस्तक के प्रत्येक पृष्ठ पर अलग-अलग चित्र को शृंखलाबद्ध तरीके से एक के बाद एक लगाएँ। जब आप पुस्तक को तेज़ी से पलटेंगे तब आपको सभी चित्र एक साथ चलते हुए पिक्चर का भ्रम करवाएँगे।